ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ

(उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय)

गुजरात

स्थापना दिवस

दिनांक 01 मई 2026

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ

गुजरात राज्य स्थापना दिवस २०२६ का आयोजन

भारत के यशस्वी प्रधान मंत्री, उत्तर प्रदेश की महामहिम राज्यपाल तथा कुलाधिपति महोदया के कुशल नेतृत्व में, उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय प्रतिदिन नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। इस क्रम में महामहिम राज्यपाल - श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी की प्रेरणा से ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 01 मई 2026 को विश्वविद्यालय परिसर में गुजरात स्थापना दिवस 2026 का आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ माननीय कुलपति - प्रो. अजय तनेजा के करकमलों द्वाररा किया गया। गुजरात दिवस स्थापना दिवस के अवसर पर पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग के सहायक आचार्य-डॉ. सैयद काज़िम असगर रिज़वी द्वारा एक सूक्ष्म/लघु फिल्म बनाकर इसका प्रदर्शन किया गया, जिसमें गुजरात की सामजिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक विरासतों एवं विविधाओं के बारे में जानकारी है।

इसी प्रकार डॉ0 नलिनी मिश्रा-विभागाध्यक्ष, डॉ0 राज कुमार सिंह, डॉ0 विभा सिंह, इं. शिवांशी त्रिपाठी के संयुक्त तत्वाधान में गुजराती गरबा नृत्य का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र/छात्राओं ने बढ़-चढकर हिस्सा लिया।

इस अवसर पर माननीय कुलपति - प्रो. अजय तनेजी जी के नृतत्व में तथा डॉ. महेश कुमार-कुलसचिव, डॉ. मोहम्मद शारिक एवं डॉ. नलिनी मिश्रा के संयुक्त तत्वावधान में दो पहिया वाहन एवं साईकिल रैली का भी आयोजन किया गया है, जिसमें विश्वविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्र/छात्राओं द्वारा प्रतिभाग करते हुए स्वास्थ्य के जागरूक किया गया।

गुजरात प्रदेश के स्थापना दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय की संरक्षक एवं कुलाधिपति महोदया - श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी की प्रेरणा से टी.बी. रोग से ग्रसित रोगियों को पोषण पोटली का भी वितरण किया गया।

इसके साथ ही डॉ. मोहम्मद शारिक द्वारा विश्वविद्यालय के छात्र/छात्राओं को साईकिल से कस्तूरबा गांधी विद्यालय का भ्रमण कराया गया।

गुजरात प्रदेश के स्थापना दिवस के अवसर पर डॉ. नलिनी मिश्रा, डॉ. राम दास एवं डॉ. प्रिया देवी द्वारा छात्र/छात्राओं को कुकरैल जंगल का भ्रमण कराया गया, जिसमें छात्र/छात्राओं को जंगली जीवों के बारे में रोचक जानकारियां मिलीं।

गुजरात दिवस के अवसर पर बापू बाज़ार के अन्तर्गत विकास नगर में अग्निकांड से पीड़ित लोगों की सहायता भी की गयी, उन्हें आवश्यक खाद्य सामग्री, कपड़े आदि उपलब्ध कराये गये, जिसमें विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं छात्र/छात्राओं ने बढ़-चढकर हिस्सा लिया।

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ

गुजरात स्थापना दिवस २०२६ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम

भाषा विश्वविद्यालय में हुआ 'गुजरात स्थापना दिवस 2026' का भव्य आयोजन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की माननीय कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल के निर्देशों के अनुपालन में ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में 'गुजरात स्थापना दिवस 2026' बड़े ही उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की गई, जिनमें छात्रों ने गुजरात की समृद्ध लोकसंस्कृति, परंपराओं एवं कला को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ काज़िम रिज़वी और मोहसिन हैदर द्वारा निर्मित एक 10 मिनट की प्रभावशाली डॉक्यूमेंट्री रही, जिसमें गुजरात की सांस्कृतिक विरासत, राजनीतिक पृष्ठभूमि एवं ऐतिहासिक ढंग से प्रस्तुत किया गया। इस डॉक्यूमेंट्री ने उपस्थित दर्शकों को राज्य की समृद्ध परंपराओं से परिचित कराया। स्थापना दिवस को सम्बोधित करते हुए माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल विद्यार्थियों को विभिन्न राज्यों की संस्कृति से परिचित कराते हैं, बल्कि राष्ट्रीय एकता और अखंडता को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने छात्रों की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को निरंतर जारी रखने की बात कही। प्रो तनेजा ने गुजरात स्थापना दिवस को प्रदेश की राज्यपाल से जोड़ते हुए आनंदीबेन पटेल के कार्य और व्यवहार से सीखने की सलाह दी. प्रो तनेजा ने गुजरात राज्य के औद्योगिक कौशल से भी सीखने की आवश्यकता पर बल दिया. कार्यक्रम के दौरान प्रदेश की कुलाधिपति और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के संदेशों का भी उल्लेख किया गया, जिनमें 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को सुदृढ़ करने पर बल दिया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने गुजरात की पारंपरिक कला के अभिनय से गुजरात के इतिहास का स्मरण किया।

گجرات کی سرزمین نے گاندھی اور پٹیل جیسے عظیم رہنما پیدا کیے: پروفیسر اجے تنیجا

لینگویج یونیورسٹی میں گجرات یوم تاسیس کے موقع پر ثقافتی تقریب کا انعقاد

[illegible]

[illegible]

गुजरात स्थापना दिवस २०२६ के अवसर पर

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ

में आयोजित कार्यक्रम

दिनांक 1 मई, 2026 को गुजरात दिवस के अवसर पर माननीय कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में ख्वाजा मूईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में अत्यंत उत्साह, गरिमा एवं सांस्कृतिक समर्पण के साथ गुजरात स्थापना दिवस मनाया गया।

यह तिथि गुजरात राज्य के गठन की स्मृति में विशेष महत्व रखती है, और इसी अवसर को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय परिसर में एक भव्य एवं सुव्यवस्थित कार्यक्रम का आयोजन किया गया। माननीय कुलाधिपति महोदया सदैव शिक्षा के साथ-साथ भारतीय संस्कृति, राष्ट्रीय एकता एवं मूल्यों के संरक्षण को विशेष महत्व देती रही हैं। उनके मार्गदर्शन में इस कार्यक्रम को इस प्रकार रूपायित किया गया कि यह केवल एक औपचारिक आयोजन न होकर एक जीवंत सांस्कृतिक उत्सव का स्वरूप ग्रहण करे। उनके प्रेरक नेतृत्व ने इस आयोजन को "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" की भावना से ओत-प्रोत कर दिया, जिससे विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक एकता एवं पारस्परिक सम्मान को बढ़ावा मिला।

इस कार्यक्रम का आयोजन माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। उनके निर्देशन में कार्यक्रम की रूपरेखा अत्यंत सूक्ष्मता एवं संतुलन के साथ तैयार की गई, जिसमें शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक पहलुओं का समुचित समावेश किया गया। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि कार्यक्रम की प्रत्येक प्रस्तुति गुजरात स्थापना दिवस की भावना को प्रतिबिंबित करे तथा विद्यार्थियों को एक सशक्त मंच प्रदान करे, जिससे वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें और साथ ही सांस्कृतिक जागरूकता को भी बढ़ावा मिल सके।

कुलसचिव डॉ. महेश कुमार की विशेष भूमिका इस आयोजन की सफलता में अत्यंत महत्वपूर्ण रही। उनके प्रशासनिक सहयोग, समन्वय एवं सक्रिय सहभागिता के कारण कार्यक्रम का संचालन अत्यंत सुचारू एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हुआ। इस गरिमामय आयोजन का संयोजन सांस्कृतिक समिति की अध्यक्षा डॉ. नलिनी मिश्र द्वारा अत्यंत कुशलतापूर्वक किया गया। उनकी संगठनात्मक दक्षता, दूरदर्शिता एवं समर्पण ने कार्यक्रम को एक सुव्यवस्थित एवं प्रभावशाली स्वरूप प्रदान किया।

गुराजत स्थापना दिवस के अवसर पर डॉ. विभा सिंह की टीम द्वारा गुजराती गरबा, नृत्य, डांडिया का आयोजन कराया गया, नृत्य प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में विशेष आकर्षण जोड़ा। अर्चना (बी.ए.-समाशास्त्र) एवं सोनी (बी.ए.-शिक्षाशास्त्र) ने अपने एकल नृत्यों से दर्शकों का मनमोह लिया। समूह नृत्य में पूर्वी, अंजू कुमारी, शबाना, सना एवं प्रतिभा ने समन्वित प्रस्तुति दे कर कार्यक्रम में ऊर्जा का संचार किया, जबकि संजना, मानवी एवं रिया के समूह ने भी अपनी प्रस्तुति से सभी को प्रभावित किया। कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण नुक्कड़ नाटक रहा, जिसे नेहा, मो.कैफ, नीरज, आमिर, हाजरा, प्रतिभा, अंजू एवं विशाल (बी.एड.) द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस नाटक के माध्यम से एक सशक्त सामाजिक संदेश प्रस्तुत किया गया, जिसने दर्शकों को गहराई से प्रभावित किया।

कार्यक्रम का संयोजन-डॉ. नलिनी मिश्रा के नृतत्व में तथा डॉ. विभा सिंह, डॉ. राज कुमार सिंह एवं इ. राशी श्रीवस्तव से सहयोग से हुआ।

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ

गुजरात स्थापना दिवस २०२६ के अवसर पर में आयोजित कार्यक्रम

भाषा विवि में हुआ 'गुजरात स्थापना दिवस 2026' का आयोजन

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल के निर्देशों के अनुपालन में ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में 'गुजरात स्थापना दिवस 2026' बड़े ही उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा के मार्गदर्शन में किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की गई, जिनमें छात्रों ने गुजरात की समृद्ध लोकसंस्कृति, परंपराओं एवं कला को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. काजिम रिज़वी और मोहसिन हैदर द्वारा निर्मित एक 10 मिनट की प्रभावशाली डॉक्यूमेंट्री रही, जिसमें गुजरात की सांस्कृतिक विरासत, राजनीतिक पृष्ठभूमि एवं ऐतिहासिक महत्व को सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया गया। इस डॉक्यूमेंट्री ने उपस्थित दर्शकों को राज्य की समृद्ध परंपराओं से परिचित कराया।

स्थापना दिवस को सम्बोधित करते हुए कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल विद्यार्थियों को विभिन्न राज्यों की संस्कृति से परिचित कराते हैं, बल्कि राष्ट्रीय एकता और अखंडता को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने छात्रों की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को निरंतर जारी रखने की बात कही। प्रो तनेजा ने गुजरात स्थापना दिवस को प्रदेश की राज्यपाल से जोड़ते हुए आनंदीबेन पटेल के कार्य और व्यवहार से सीखने की सलाह दी. प्रो तनेजा ने गुजरात राज्य के औद्योगिक कौशल से भी सीखने की आवश्यकता पर बल दिया. कार्यक्रम के दौरान प्रदेश की कुलाधिपति और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के संदेशों का भी उल्लेख किया गया, जिनमें 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को सुदृढ़ करने पर बल दिया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने गुजरात की पारंपरिक कला के अभिनय से गुजरात के इतिहास का स्मरण किया. इसके पश्चात भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें छात्रों ने गुजरात के इतिहास, संस्कृति एवं सामाजिक विकास पर अपने विचार व्यक्त किए।

گجرات کی سرزمین نے گاندھی اور پٹیل جیسے عظیم رہنما پیدا کیے: پروفیسر اجے تینجا

لینگویج یونیورسٹی میں گجرات یوم تاسیس کے موقع پر ثقافتی تقریب کا انعقاد

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ

साईकिल/दो पहिया वाहन/पदयात्रा

गुजरात स्थापना दिवस के गौरवशाली अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में उत्साह और सेवा का अनूठा संगम देखने को मिला। माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा के कुशल नेतृत्व में विश्वविद्यालय द्वारा एक भव्य साइकिल रैली, बाइक रैली एवं पदयात्रा का सफल आयोजन किया गया।

रैली का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और सामुदायिक एकता का संदेश देना था। इस यात्रा में विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने अत्यंत उत्साह के साथ बढ़-चढ़कर सहभागिता की।

माननीय कुलपति - प्रो. अजय तनेजा जी ने साईकिल यात्रा एवं पदयात्रा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि रोजाना साइकिल चलाने से पैरों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं, कैलोरी बर्न होती है और हृदय स्वास्थ्य में सुधार होता है। यह तनाव, चिंता और अवसाद को कम करता है। नींद की गुणवत्ता में सुधार होता है और ऊर्जा का स्तर बढ़ता है। यह एक प्रभावी कार्डियो वर्कआउट है, जो पेट की चर्बी कम करने और वजन को नियंत्रित करने में सहायक है। साइकिल चलाने से कोई हानिकारक गैस नहीं निकलती, जिससे वायु प्रदूषण कम होता है और शोर प्रदूषण भी नहीं होता। साइकिल से यात्रा करने से ईंधन की लागत बचती है अन्त माननीय कुलपति जी ने कहा साइकिल यात्रा एवं पदयात्रा एक संपूर्ण फिटनेस का साधन है, जो न केवल शरीर को तंदुरुस्त रखता है, बल्कि हमारे पर्यावरण और मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी बेहतरीन है।

इस कार्यक्रम का कुशल संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना की समन्वयक डॉ. नलिनी मिश्रा द्वारा किया गया। कुलसचिव ड, महेश कुमार का इस कार्यक्रम के आयोजन में विशेष योगदान रहा।

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ

साईकिल एवं पदायात्रा
का शुभारम्भ करते
माननीय कुलपति
प्रो. अजय तनेजा

साईकिल चलाते
विश्वविद्यालय के
कुलसचिव
डॉ. महेश कुमार जी

पैदल यात्रा
करते
विश्वविद्यालय के
माननीय कुलपति
एवं
शिक्षकगण

उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता की कुछ झलकियां

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ

साईकिल/दो पहिया वाहन/पदयात्रा

गुजरात स्थापना दिवस के गौरवशाली अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में उत्साह और सेवा का अनूठा संगम देखने को मिला। माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा के कुशल नेतृत्व में विश्वविद्यालय द्वारा एक भव्य साइकिल रैली, बाइक रैली एवं पदयात्रा का सफल आयोजन किया गया।

रैली का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और सामुदायिक एकता का संदेश देना था। इस यात्रा में विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने अत्यंत उत्साह के साथ बढ़-चढ़कर सहभागिता की।

माननीय कुलपति - प्रो. अजय तनेजा जी ने साईकिल यात्रा एवं पदयात्रा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि रोजाना साइकिल चलाने से पैरों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं, कैलोरी बर्न होती है और हृदय स्वास्थ्य में सुधार होता है। यह तनाव, चिंता और अवसाद को कम करता है। नींद की गुणवत्ता में सुधार होता है और ऊर्जा का स्तर बढ़ता है। यह एक प्रभावी कार्डियो वर्कआउट है, जो पेट की चर्बी कम करने और वजन को नियंत्रित करने में सहायक है। साइकिल चलाने से कोई हानिकारक गैस नहीं निकलती, जिससे वायु प्रदूषण कम होता है और शोर प्रदूषण भी नहीं होता। साइकिल से यात्रा करने से ईंधन की लागत बचती है अन्त माननीय कुलपति जी ने कहा साइकिल यात्रा एवं पदयात्रा एक संपूर्ण फिटनेस का साधन है, जो न केवल शरीर को तंदुरुस्त रखता है, बल्कि हमारे पर्यावरण और मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी बेहतरीन है।

इस कार्यक्रम का कुशल संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना की समन्वयक डॉ. नलिनी मिश्रा द्वारा किया गया। कुलसचिव ड, महेश कुमार का इस कार्यक्रम के आयोजन में विशेष योगदान रहा।

कैंपस डायरी

भाषा विश्वविद्यालय में निकाली गई पदयात्रा और रैली

लखनऊ : गुजरात स्थापना दिवस के अवसर पर बुधवार को भाषा विश्वविद्यालय की ओर से पदयात्रा साइकिल व बाइक रैली का आयोजन किया गया। इस यात्रा में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर अजय तनेजा सहित सभी शिक्षकों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना की समन्वयक डा. नलिनी मिश्रा ने किया। कुलपति ने कहा कि गुजरात स्थापना दिवस केवल एक भौगोलिक पहचान का उत्सव नहीं है, बल्कि यह हमारे पुरुषार्थ और सेवा की संस्कृति का प्रतीक है। वि.

गुजरात स्थापना दिवस पर आयोजन

लखनऊ। गुजरात स्थापना दिवस पर भाषा विश्वविद्यालय में बुधवार को साइकिल, बाइक रैली, पदयात्रा और जनसेवा कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कार्यक्रम को शुरुआत की। आयोजन में स्वास्थ्य जागरूकता और सामुदायिक एकता पर जोर दिया गया। रैली में विवि के शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। राष्ट्रीय सेवा योजना की समन्वयक नलिनी मिश्रा ने कार्यक्रम का संचालन किया। इसके तहत ध्यान सत्र, अनाथालय भ्रमण और अग्निकांड के पीड़ितों की सहायता की गई। कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कहा कि गुजरात स्थापना दिवस पुरुषार्थ और सेवा की संस्कृति का प्रतीक है। विवि का लक्ष्य विद्यार्थियों में संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी विकसित करना भी है। (संवाद)

گجرات کے یوم تاسیس پر سائیکل ریلی و پیدل مارچ

لکھنؤ : خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی کے کیمپس گجرات کے یوم تاسیس کے موقع پر وائس چانسلر پروفیسر اجے تیگیا کی قیادت میں مختلف شعبوں کے اساتذہ اور طلبہ نے سائیکل ریلی اور پیدل مارچ کا انعقاد کیا گیا۔ اس سائیکل ریلی اور پیدل مارچ کا آغاز انتظامی بلڈنگ سے ہوا اور یونیورسٹی سرکل سے ہوتا ہوا تھینکیو گیٹ پر اختتام ہوا۔ اس پروگرام کا بنیادی مقصد طلبہ کو گجرات کی تہذیبی و ثقافتی اور جغرافیائی و تاریخی شناخت کو مستحکم کرنا تھا۔ پروفیسر اجے تیگیا نے گجرات یوم تاسیس کے موقع پر منعقدہ سائیکل ریلی اور پیدل مارچ کے آغاز سے قبل اپنے خطاب میں کہا کہ گجرات ہندوستان کی ان اہم ریاستوں میں شامل ہے جس نے اپنی عظیم تہذیبی روایت، تاریخی ورثے، ثقافتی تنوع اور معاشی ترقی کے ذریعے قومی سطح پر ایک نمایاں شناخت قائم کی ہے۔ انھوں نے کہا کہ گجرات کی سرزمین مہاتما گاندھی اور سردار ولبھ بھائی پٹیل جیسی عظیم شخصیات کی جنم بھومی رہی ہے جنھوں نے ہندوستان کی آزادی اور قومی یکجہتی میں ناقابل فراموش کردار ادا کیا۔ انھوں نے طلبہ کو مخاطب کرتے ہوئے کہا کہ ایسے پروگراموں کا مقصد صرف تقریبات کا انعقاد نہیں بلکہ نئی نسل کو ہندوستان کی مختلف ریاستوں کی تہذیب، زبان، ثقافت، جغرافیہ اور تاریخی ورثے سے روشناس کرانا بھی ہے تاکہ طلبہ میں قومی یکجہتی، بھائی چارے اور ثقافتی ہم آہنگی کے جذبات فروغ پاسکیں۔ پروفیسر اجے تیگیا نے مزید کہا کہ جسمانی سرگرمیاں جیسے سائیکل ریلی اور پیدل مارچ نہ صرف صحت مند طرز زندگی کو فروغ دیتی ہیں بلکہ اجتماعی شعور، سماجی ذمہ داری اور قومی اقدار کے استحکام میں بھی اہم کردار ادا کرتی ہیں۔ اس موقع پر این ایس ایس کوارڈینیٹر ڈاکٹر منی مشرا نے اس موقع پر اپنے خطاب میں کہا کہ گجرات یوم تاسیس جیسے قومی اور ثقافتی پروگرام طلبہ میں حب الوطنی، سماجی بیداری اور قومی یکجہتی کے جذبات کو مضبوط بنانے میں اہم کردار ادا کرتے ہیں۔

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ

स्वच्छता / साफ-सफाई

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में गुजरात स्थापना दिवस के अवसर पर माननीय कुलपति - प्रोफेफेसर अजय तनेजा जी के मार्गदर्शन में स्वच्छता / साफ-सफाई का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य साफ-सफाई के प्रति जागरूक करना था।

माननीय कुलपति जी ने अपने सम्बोधन में कहा कि महात्मा गांधी जी ने कहा था- स्वच्छता ही सेवा है। हमारे देश के लिए, हमारे जीवन में स्वच्छता की बहुत जरूरत है। गंदगी हमारे आसपास के वातावरण और जीवन को प्रभावित करती है। हमें व्यक्तिगत व आसपास भी सफाई अवश्य रखनी चाहिए और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए।

स्वच्छ भारत अभियान-प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वच्छ भारत अभियान 2 अक्टूबर 2014 को महात्मा गांधी की 145वीं जयंती पर चलाया गया एक महत्वपूर्ण अभियान है। यह अभियान नई दिल्ली के राजघाट से शुरू किया गया था। यह एक राष्ट्रीय स्तर का अभियान है और भारत सरकार द्वारा चलाया जा रहा है। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत कई योजनाएं शामिल की गई है, जिसमें ग्रामीणों के घरों में शौचालाय निर्माण प्रमुख हैं, जिससे लोग आस पास की स्वच्छता का महत्व समझेंगे और वातावरण को स्वच्छ रखेंगे।

स्वच्छता कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. नलिनी मिश्रा, समन्वयक-एन.एस.एस. द्वारा किया गया, उनके द्वारा बताया गया कि श्रीमद् भागवतम् भी स्वच्छता को उन तीस गुणों में से एक मानता है जिन्हें ईश्वर की कृपा प्राप्त करने के लिए अपनाना आवश्यक है और बारह नियमित कर्तव्यों में आंतरिक और बाह्य स्वच्छता को शामिल करता है। स्वच्छता एक उत्कृष्ट गुण भी है जो हिंदू धर्म में सत्य युग (स्वर्ण युग) की विशेषता है।

डॉ. नलिनी मिश्रा और उनकी टीम के कार्यक्रम अधिकारियों ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों एवं गांव जाकर ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए बताया कि नियमित हाथ धोने और साफ-सफाई रखने से डायरिया, फ्लू और कोविड जैसे संक्रामक रोगों का खतरा 50 प्रतिशत तक कम हो जाता है। स्वच्छ वातावरण में रहने से भोजन और पानी की गुणवत्ता बनी रहती है, जिससे पेट और त्वचा के संक्रमण से बचाव होता है। साफ-सुथरा घर या कार्यस्थल मन को शांत करता है, ध्यान केंद्रित करने में मदद करता है और तनाव कम करता है। व्यक्तिगत स्वच्छता (नहाना, साफ कपड़े पहनना) से आत्मविश्वास बढ़ता है और सामाजिक प्रतिष्ठा में सुधार होता है। कचरा प्रबंधन और स्वच्छता से जलजनित और मच्छर-जनित बीमारियां (जैसे डेंगू, मलेरिया) नहीं फैलतीं। एक व्यवस्थित और साफ जगह पर काम करने से उत्पादकता बढ़ती है और समय की बचत होती है।

स्वच्छता कार्यक्रम से सभी विद्यार्थीगण एवं ग्रामवासी लाभान्वित हुए तथा यह संकल्प लिया गया कि स्वच्छता निरन्तर बनी रहे इसका सभी लोग विशेष ध्यान रखेंगे।

इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु डॉ. नलिनी मिश्रा द्वारा डॉ. मनीष कुमार, डॉ. राम दास, डॉ. सायमा अली, डॉ. आशीष शाही, डॉ. मोहम्मद इरफान, डॉ. रतनेश सिंह, इं. धीरेन्द्र सिंह का आभार व्यक्त किया गया।

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ

गुजरात स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित सवच्छता कार्यक्रम की कुछ झलकियां

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ

HPV VACCINE

गुजरात स्थापना दिवस के अवसर पर माननीय राज्यपाल/कुलाधिपति महोदया - श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी की प्रेरणा तथा माननीय कुलपति - प्रो. अजय तनेजा जी के कुशल नेतृत्व में सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण अभियान के अंतर्गत तीसरी खुराक का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महिलाओं के स्वास्थ्य संरक्षण एवं रोगों की रोकथाम की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ। इस अभियान के अंतर्गत कुल 35 छात्राओं को टीका लगाया गया, जिससे उन्हें रोग से लड़ने के प्रति बेहतर सुरक्षा प्रदान की जा सके।

इस पहल के माध्यम से विश्वविद्यालय ने स्वास्थ्य जागरूकता, रोग-निवारण तथा सामुदायिक कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः सुदृढ़ किया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह भी आश्वासन दिया कि भविष्य में भी ऐसे स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रमों का आयोजन निरंतर किया जाता रहेगा, जिससे छात्र-छात्राओं एवं समाज में जागरूकता बढ़ाई जा सके।

कार्यक्रम के सफल संचालन में निदेशक प्रो. शालिनी त्रिपाठी तथा समन्वयक-एन.एस.एस डॉ. नलिनी मिश्रा का विशेष योगदान रहा।

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ

टी.बी. रोग से ग्रसित रोगियों को पोषण पोटली वितरण

माननीय राज्यपाल/कुलाधिपति महोदय की प्रेरणा से ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में गुजरात स्थापना दिवस के अवसर पर माननीय कुलपति - प्रोफेफेसर अजय तनेजा जी के मार्गदर्शन टी.बी. रोग से ग्रसित रोगियों को पोषण पोटली का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य टी.बी. रोग से ग्रसित मरीजों की जान बचाना था।

इस अवसर पर माननीय कुलपति जी ने कहा कि टी.बी. रोग रोग असाध्य नहीं है, मरीजों को नियमित दवा सेवन और खान-पान पर विशेष ध्यान देना चाहिये। कुलपति जी सभी मरीजों से स्वस्थ होने के पश्चात टीबी चौंपियन बनकर समाज में इस रोग के प्रति लोगों को जागरूक करने का आग्रह किया, जिससे जनपद जल्द से जल्द टीबी मुक्त बन सके।

इस अवसर पर प्रो. शालिनी त्रिपाठी, निदेशक महोदया ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये टी.बी. रोगियों से नियमित सम्पर्क में रहा जाता है, उन्हें समय-समय पर पोषण पोटली - गुण, चना, सत्तू, मूंगफली, सोयाबीन, प्रोटीन पाउडर, फल आदि निःशुल्क वितरित किया जाता है, जिससे रोगी स्वस्थ हो रहे हैं।

इसके अतिरिक्त प्रो0 शालिनी त्रिपाठी ने टी.बी. से बचाव हेतु जागरूक करते हुए बताया कि टी.बी. के मरीज के खांसने या छींकने पर निकलने वाली बूंदों से बचाव करना चाहिये, खांसते और छींकते समय हमेशा नाक और मुंह को रुमाल या टिशू से ढकें। सक्रिय टी.बी. के मरीज को मास्क पहनना चाहिए, खासकर भीड़-भाड़ वाली जगहों पर। घर के अंदर धूप और ताजी हवा आने दें, क्योंकि टीबी के जीवाणु बंद और अंधेरी जगहों पर ज्यादा पनपते हैं। नियमित रूप से साबुन और पानी से हाथ धोना चाहिये। बच्चों को टी.बी. से बचाने के लिए जन्म के समय या जल्द ही बी.सी.जी. का टीका लगवाएं। बीड़ी, सिगरेट और शराब का सेवन न करें, क्योंकि ये फेफड़ों को कमजोर करते हैं। अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत रखने के लिए प्रोटीन युक्त पौष्टिक भोजन करें। यदि किसी को लगातार 2-3 सप्ताह से अधिक खांसी, बुखार या वजन कम होने के लक्षण दिखें, तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श कर जांच कराएं।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रो. शालिनी त्रिपाठी तथा डॉ. नलिनी मिश्रा द्वारा विशेष भूमिका निभाई गयी।

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ

कस्तूरबा गांधी विद्यालय भ्रमण

गुजरात स्थापना दिवस के पावन अवसर पर ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा कस्तूरबा बालिका विद्यालय इंटर कॉलेज, लखनऊ भ्रमण हेतु एक प्रेरणादायी साइकिल रैली का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम माननीय कुलपति महोदय प्रो. अजय तनेजा जी के कुशल मार्गदर्शन एवं संरक्षण में संपन्न हुआ। रैली का सफल संयोजन शारीरिक शिक्षा विभाग के सह आचार्य मोहम्मद शारिक एवं सहायक आचार्य डॉ. हसन मेहदी द्वारा किया गया।

यह कार्यक्रम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी एवं कस्तूरबा गांधी जी के जीवन-दर्शन और आदर्शों के स्मरण का माध्यम बना, जिनका जीवन गुजरात की पावन धरती से जुड़ा रहा है। प्रतिभागियों को गांधीजी के सत्य, अहिंसा, स्वच्छता, आत्मनिर्भरता एवं राष्ट्रसेवा के विचारों को आत्मसात करने का संदेश दिया गया, साथ ही कस्तूरबा गांधी जी के नारी शिक्षा, समाज सेवा एवं महिला सशक्तिकरण में अद्वितीय योगदान को रेखांकित किया गया। विद्यार्थियों को प्रेरित किया गया कि वे इन महान विभूतियों के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाकर समाज एवं राष्ट्र के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएँ। यह साइकिल रैली स्वास्थ्य जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण, राष्ट्रीय एकता तथा सामाजिक उत्तरदायित्व के संदेश के साथ अत्यंत सफलतापूर्वक संपन्न हुई। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में देशभक्ति, अनुशासन एवं सामाजिक चेतना का संचार किया तथा सभी प्रतिभागियों के लिए एक प्रेरक एवं स्मरणीय अनुभव सिद्ध हुआ।

इस अवसर पर डॉ. मोहम्मद शारिक द्वारा कस्तूरबा गांधी विद्यालय के बारे में छात्र/छात्राओं को बताया गया कि कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय भारत सरकार द्वारा जुलाई 2004 में शुरू की गई एक आवासीय विद्यालय योजना है, जो मुख्य रूप से अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक समुदायों की लड़कियों को कक्षा 6 से 12 तक की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करती है। यह योजना ग्रामीण और शिक्षा के प्रति पिछड़े क्षेत्रों में लैंगिक असमानता को कम करने और बालिकाओं की शिक्षा दर बढ़ाने के लिए है, जिसमें 75 प्रतिशत सीटें आरक्षित वर्ग के लिए होती हैं। इस विद्यालय का उद्देश्य कमजोर वर्ग की लड़कियों को शिक्षा की मुख्यधारा में लाना और स्कूल छोड़ने की दर को कम करना है।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. मोहम्मद शारिक विभागाध्यक्ष-शारीरिक शिक्षा, डॉ. नलिनी मिश्रा, समन्वयक-एन.एस.एस. ने विशेष भूमिका निभाई गयी।

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ

शैक्षणिक भ्रमण

गुजरात स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के लिए एक शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर माननीय कुलपति प्रोफेसर अजय तनेजा के नेतृत्व में विद्यार्थियों को कुकरेल जंगल का भ्रमण कराया गया।

इस भ्रमण का संचालन एवं मार्गदर्शन एन.एस.एस. समन्वयक नलिनी मिश्रा तथा भूगोल विभाग के शिक्षिका डॉ. प्रिया देवी, डॉ. चेतन शर्मा एवं डॉ. आदेश पटेल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से प्रतिभाग किया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को प्राकृतिक पर्यावरण, वन्य जीवन तथा जैव विविधता के महत्व के बारे में जानकारी प्रदान की गई। यह शैक्षिक यात्रा विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुई।

इस अवसर पर डॉ. प्रिया द्वारा छात्र/छात्राओं को बताया गया कि कुकरैल संरक्षित वन लखनऊ – घड़ियाल और कछुओं के संरक्षण के लिए 1978 में स्थापित किया गया। यह वन शहरी शोरगुल से दूर शांत हरियाली, हिरण पार्क और नदी किनारे के नजारों के लिए विशेष है। डॉ. प्रिया द्वारा विद्यार्थियों को सुझाव दिया गया कि फॉरेस्ट टूर (वन भ्रमण) शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत फायदेमंद है, जो तनाव कम करने, रक्तचाप को नियंत्रित करने और मूड को बेहतर बनाने में मदद करता है। यह प्रकृति के करीब लाकर एकाग्रता बढ़ाता है, शारीरिक सक्रियता (जैसे ट्रेकिंग) प्रदान करता है और ताजी हवा के साथ शांति प्रदान करता है।

इस शैक्षणिक भ्रमण से सभी विद्यार्थी अत्यन्त प्रसन्न थे, सभी माननीय राज्यपाल/कुलाधपति महोदया तथा माननीय कुलपति जी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ

बापू बाज़ार के माध्यम से विकास नगर में अग्निकांड से पीड़ित लोगों की सहायता

गुजरात स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में माननीय कुलपति जी कहा कि कोई भी खुशी तब तक नहीं मनाई जा सकत है, जब तक कि हम अपनी खुशी में दूसरों को शामिल न करें या दूसरे के दूख को कम न कर लें, माननीय कुलपति – प्रो. अजय तनेजा जी ने कहा कि विश्वविद्यालय परिवार ने गुजरात स्थापना दिवस आयोजन के पूर्व जनपद लखनऊ के विकास नगर में एक झुग्गी बस्ती में भीषण आग लग गई। आग ने लगभग 250 से 280 से ज्यादा झुग्गियों को नष्ट कर दिया, जिससे 1,000 से ज्यादा लोग बेघर हो गए, लोगों के जीवन भर की सम्पत्ति स्वाहा हो गयी, तेज हवाओं और आग पकड़ने वाली चीजों की वजह से आग तेजी से फैली। 50 से ज्यादा एल.पी.जी. सिलेंडर फटने से यह और बढ़ गई।

ऐसे में विश्वविद्यालय परिवार ने महात्मा गांधी जी के संकल्प के अनुसार आगे बढ़कर विकास नगर के अग्निकांड से पीड़ित लोगों की सहायता करने का निर्णय लिया, जिसमें विश्वविद्यालय द्वारा अग्निकांड से पीड़ित व्यक्तियों को खाद्य सामग्री, कपड़े, दैन-दिन के इस्तेमाल में ली जाने वाली आवश्यक सामग्रियों का प्रबन्धन किया और पीड़ितों को निःशुल्क वितरित किया।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रो. सैयद हैदर अली, प्रो. मुशीर अहमद, डॉ. पियूष कुमार त्रिवेदी, डॉ. श्वेता त्रिवेदी, डॉ. नलिनी मिश्रा तथा व्यवसाय प्रशासन विभाग, विधि अध्ययन संकाय के छात्र/छात्राओं ने विशेष भूमिका निभाई।

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ

बापू बाज़ार के माध्यम से दृष्टि सामाजिक संस्थाान में असहाय बच्चों की सहायता

गुजरात स्थापना दिवस के अवसर पर माननीय कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में ख्वाजा मूईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में अत्यंत उत्साह, गरिमा एवं सांस्कृतिक समर्पण के साथ मनाया गया।

इन्हीं खुशियों में समाज के असहाय बच्चों को जोड़ने के लिए दृष्टि सामाजिक संस्थान में जाकर उन्हें निःशुल्क आवश्यक सामग्रियों यथा-खाद्य पदार्थ, कपड़े एवं दैनदिन के इस्तेमाल किये जाने वाली सामग्रियों का वितरण किया गया। यहां बहुत सारे दिव्यांग बच्चे भी हैं, जिनसे बात की गयी और उन्हें यह बताने का प्रयास किया गया कि वे समाज से अलग नहीं वे भी हमारे ही इस समाज का अभिन्न अंग है।

इस अवसर पर डॉ. मोहम्मद इरफान द्वारा छात्र/छात्राओं को बताया गया कि दृष्टि सामाजिक संस्थान एक नॉन-प्रॉफिट, रजिस्टर्ड वॉलंटरी ऑर्गनाइजेशन (एन.जी.ओ.) है इसकी स्थापना 1993 में शुरू हुई यह संस्था तीन दशकों से ज़्यादा समय से रिहैबिलिटेशन सर्विस दे रही है। यहां किन्ही कारणों से छोड़े गए, दिव्यांग चैलेंज्ड बच्चों की देखभाल, रिहैबिलिटेशन और एजुकेशन के लिए काम करता है।

इस भ्रमण का संचालन एवं मार्गदर्शन एन.एस.एस. समन्वयक नलिनी मिश्रा तथा डॉ. मोहम्मद इरफान एवं एन. एस.एस. के स्वयंसेवकों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से प्रतिभाग किया। यह भ्रमण विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुई।

Khwaja Moinuddin Chishti Language University, Lucknow

UTTAR PRADESH STATE GOVERNMENT UNIVERSITY

Ph.D. Urdu, Arabic, Persian, Commerce, English, History, Home Science, Business Administration
Education, Journalism & Mass Communication, Physical Education
Computer Science & Information Technology, Mechanical Engineering
Computer Science & Engineering, Chemistry, Mathematics

M.Tech. Computer Science & Engineering with AIML, Mechatronics

B.Tech. Civil Engineering, Mechanical Engineering, Computer Science & Engineering
Biotechnology, C.S.E. in Artificial Intelligence & Machine Learning,
C.S.E. in Artificial Intelligence & Data Science, Automation & Robotics Engineering

M.C.A. **B.C.A.** **M.B.A.** **B.B.A.** **M.Com.**

B.Com. N.E.P. **B.Com.** Travel & Tourism Management **B.Com.** Retail Operations Management

B.Ed.

B.Pharm. **D.Pharm.**

L L.M. **B.A. L L.B.** 5 Years **L.L.B.** 3 Years

M. A. Arabic, English, Hindi, Persian, Urdu, Education, Journalism & Mass Communication
History, Geography, Economics, Home Science

B. Sc. Physics, Chemistry, Mathematics, Zoology, Botany, Biotechnology
Microbiology, Statistics, Computer Science

B.A. Arabic, English, Hindi, Persian, Urdu, French, Chinese, German, Japanese, Sanskrit, Pali
Education, History, Geography, Economics, Political Science, Physical Education
Journalism & Mass Communication, Sociology, Home Science

Post Graduate Diploma

- PG Diploma Arabic-English- Arabic Translation
- Interpretation and Computer Application
- PG Diploma in Capital Market and Investment
- PG Diploma in Journalism and Mass Communication (Urdu)
- PG Diploma in Arabic Journalism and Mass Communication

Under Graduate Diploma

- Arabic for Beginners (UG Diploma)
- UG Diploma in GST
- UG Diploma Arabic-English- Arabic Translation
- Interpretation and Computer Application
- UG Diploma in Arabic Journalism and Mass Communication

Certificate

- Proficiency in French (Certificate)
- Certificate Course in Financial Modeling & Fundamental Analyst
- Certificate Course in Entrepreneurship Startups and Family Business

Sitapur-Hardoi Bypass Road, Lucknow - 226013 U.P. (India)

reg@kmclu.ac.in https://kmclu.ac.in

https://www.youtube.com/@KMCLUniversityOfficial

https://www.facebook.com/kmcuafu/